RAF SECTOR

NEWS CLIP

21/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Punjab Kesri (Delhi)

नए कानून पर बवाल पहुंचा लाल किला

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): जामिया, सीलमपुर और जाफराबाद के बाद नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का हुजूम गुरुवार को लाल किले पहुंचा। जहां कई अलग-अलग संगठनों और राजनीतिक दलों के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। इतना ही नहीं नई दिल्ली के मंडी हाउस और जंतर-मंतर पर भी सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और विरोध करने लगे। हालांकि पुलिस की अनुमति नहीं होने की वजह से उन्हें तत्काल पुलिस ने हिरासत में ले लिया और बवाना स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में बनाए गए अस्थायी जेल ले गई। हालांकि दिनभर वहां रखने के बाद शाम को सभी को छोड़ दिया गया।

उधर, इन स्थानों पर प्रदर्शनकारियों के जुटने की सूचना पहले से ही होने की वजह से ऐतिहातन नई दिल्ली इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई थी। साथ ही प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर और मंडी हाउस के इलाकों में प्रदर्शन की कोई अनुमति नहीं दी गई थी। लेकिन, इसके बावजूद भी स्वराज इंडिया के प्रमुख योगेंद्र यादव और कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित के अलावा कुछ छात्र नेता व अन्य लोग पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान ऐतिहातन 20 मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए थे और दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मोबाइल इंटरनेट व एसएमएस सेवा भी बंद की गई। मंडी हाउस पर पहुंचे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया और सड़कों पर जाम की स्थिति को सामान्य बनाने की पूरी कोशिश की।

Rastriye Sahara , Mau (U.P)

मऊ में फिर बवाल, बनारस में भी उग्र प्रदर्शन

वाराणसी : प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करती पुलिस। मऊ सदर चौक के समीप तैनात जवान।

मऊ/वाराणसी (एसएनबी)। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में बृहस्पतिवार को प्रदेशव्यापी उग्र प्रदर्शन, लाठीचार्ज की जद में पूर्वांचल के दो जिले मऊ एवं वाराणसी प्रमुख रहे। पूरा दिनभर तनावपूर्ण स्थिति रही। वाराणसी में पुलिस ने उग्र प्रदर्शन को बल प्रयोग करके काबू में कर लिया लेकिन मऊ में तीन दिन पूर्व हुआ बवाल फिर उग्र हुआ तो पुलिस ने लाठीचार्ज करके पथराव करने वालों को खदेड़ दिया।

मऊ ब्यूरो के अनुसार बृहस्पतिवार दोपहर बाद उपद्रवी सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन करते हुए पुलिस पर पथराव शुरू कर दिए। यहां पुलिस ने लाठीचार्ज करके उपद्रवियों को खदेड़ दिया। उधर एडीजी वाराणसी ने भी पथराव स्थलों का जायजा लिया और संस्कृत पाठशाला पुलिस चौकी में डीएम-एसपी के साथ बैठक करके मातहतों को सख्त निर्देश दिए। जबकि देर सायं कलेक्ट्रेट में डीएम और एसपी ने शांति समिति की बैठक ली।

जिले में 16 दिसंबर को हुए उपद्रव के मामले में पकड़े गए लोगों को छोड़ने की मांग को लेकर जन सैलाब सदर चौक पर सड़क पर आकर प्रदर्शन और पथराव किया। यह देख पुलिस द्वारा उन पर लाठी चार्ज किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोग भागे, उनका चप्पल आदि सामान छूट गया। इससे पटरी पर लौट रही दिनचर्या फिर विचलित हो गई। मामले में एडीजी वाराणसी परिक्षेत्र एवं डीएम ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी व एसपी अनुराग आर्य ने संयुक्त रूप से दलबल के साथ सदर चौक होते हुए संस्कृत पाठशाला पहुंचे। जहां पर जनसामान्य से शांति बनाए रखने आवाहन किया। उधर इंटरनेट सेवाओं के बाधित होने से सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों में काफी हद तक बाधित हुआ।

उधर एडीजी आशुतोष कुमार पांडेय द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों की कोतवाली नगर बैठक करके दिशा निर्देश दिया गया कि संभावित उपद्रवियों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने और रेलवे लाइन पश्चिम हुए उपद्रव में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया। कहा कि उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई करके निपटा जाए। बताया कि वीडियो सर्विलांस टीम द्वारा वीडियो, फोटोग्राफ और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज इकट्ठा की जाएगी। कहा था कि इसमें दुकानदारों का सहयोग अपेक्षित है। डीएम और एसपी का कहना है कि नगर में शांति अमन चैन का माहौल बना हुआ है। किसी को भी कानून व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं होगी।

उधर वाराणसी में अधिकारी दिनभर मुख्य सड़क से लेकर गलियों में चक्रमण करते रहे। उपद्रव की आशंका से क्षेत्र की दुकानें बंद रहीं। पूरे क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने भी अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार शास्त्री घाट पर धरना प्रदर्शन किया।

नागरिक संशोधन कानून को लेकर बृहस्पतिवार को बेनियाबाग में लोगों के जुटने को लेकर प्रशासन सुबह से ही सतर्क था। चेतगंज इलाके में विभिन्न दलों ने प्रतिवाद मार्च निकाला। पुलिस ने इन्हें चेतगंज के पास रोकने का प्रयास किया लेकिन जब नहीं माने तो उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया। यहां से 69 लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोपहर के बाद सभी को जेल भेज दिया। पुलिस ने अभी इन्हें नियंत्रित किया था तभी दालमंडी इलाके से सैकड़ों की संख्या में युवा सड़क पर आ गए और बेनियाबाग जाने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने इन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन जब वे नहीं माने तो पुलिस ने बल प्रयोग कर इन्हें खदेड़ना शुरू किया।

Scanned CamScanner

NavBharat Times (Delhi)

नागरिकता कानून के खिलाफ

Anindya Chattopadhyay

मंडी हाउस : विरोध के लिए यहां लोग पहुंचने शुरू हुए, लेकिन पुलिस मुस्तैद थी। जैसे ही लोग आते, पुलिस उन्हें बसों में भरकर अस्थाई जेलों के लिए भेज देती।

NavBharat Times (Delhi)

मंडी हाउस से ...

■ नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ मंडी हाउस में प्रदर्शन करने आए लोगों को पुलिस ने तुरंत हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी 'बोल के लब आजाद हैं तेरे' और कई दूसरे स्लोगन वाली तख्तियां थामकर ठीक से नारे भी नहीं लगा पाए। पुलिस ने उन्हें बसों में भरकर वहां से भेज दिया।

जुटने लगे थे लोग, तैयार थीं डीटीसी बसें : मंडी हाउस गोल चक्कर के चारों ओर पुलिस ने सुबह से ही व्यवस्था संभाली हुई थी। सुबह 11.20 बजे के करीब विभिन्न यूनिवर्सिटीज के कुछ लेक्चरर, स्टूडेंट्स और सामाजिक कार्यकर्ता बंगाली मार्केट रोड पर जुटे ही थे कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें डीटीसी बसों में बैठना शुरू कर दिया। पुलिस ने बाराखंभा रोड पर डीटीसी की आधा दर्जन से अधिक बसों की व्यवस्था पहले से की हुई थी।

आदेश मिलते ही लोगों को पकड़ा जाने लगा : दोहपर करीब 12 बजे पुलिस ने बाराखंभा रोड के आसपास जुटे प्रदर्शनकारियों को पकड़ना शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में वहां महिला प्रदर्शनकारी भी थीं। महिला पुलिस बल ने अधिकारियों का आदेश मिलते ही महिला प्रदर्शनकारियों को बस में बैठाना शुरू किया। बस भरते ही उसे रवाना किया जा रहा था। बसों के दोनों गेटों पर पुलिसकर्मी भी तैनात थे, ताकि कोई प्रदर्शनकारी बाहर ना निकल सके।

नेताओं को नहीं बढ़ने दिया आगे : फिरोजशाह रोड पर कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित मीडिया से बात कर रहे थे। उनका कहना था कि कानून में धर्म के आधार पर जो वर्गीकरण किया गया है, वह गलत है। वह इतना कह ही पाए थे कि तुरंत पुलिस ने उनके हाथ पकड़े और बस में ले गए। सीपीआई की नेता बृंदा करात को भी हिरासत में ले लिया गया था। प्रदर्शन करने पहुंचे कांग्रेस नेता पवन खेड़ा सहित अनेक प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिया गया।

बताया धारा 144 लगी है, नोकझोंक भी हुई : मंडी हाउस गोल चक्कर के पास पुलिस बल ने सुबह से वहां किसी को रुकने नहीं दिया था। कई महिला प्रदर्शनकारी कॉपरनिकस मार्ग के पास जुटने लगीं, तो पुलिस ने तुरंत उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि धारा 144 लागू है। यहां ना खड़े हों। इस पर प्रदर्शनकारी महिलाओं की पुलिस से काफी देर तक कहासुनी होती रही।

नहीं बिगड़ने दी ट्रैफिक व्यवस्था : दोपहर 2 बजे से पहले ही पुलिस ने लगभग सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस से बचते हुए जंतर-मंतर की तरफ चल गए। पुलिस के प्लान एक्शन का ही परिणाम था कि मंडी हाउस से जुड़ी लगभग सभी सड़कों जैसे- कॉपरनिकस मार्ग, फिरोजशाह रोड, भगवान दास रोड आदि पर ट्रैफिक व्यवस्था की स्थिति नहीं बिगड़ी।

CamScanner

NavBharat Times (Delhi)

पैरंट्स असमंजस में, विरोध प्रदर्शन में बच्चों को स्कूल भी भेजे या नहीं

प्रमुख संवाददाता, ईस्ट दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में जिस तरह से देशभर में उग्र विरोध प्रदर्शन चल रहे है, उसे देखते हुए ईस्ट एमसीडी ने बच्चों को पिकनिक पर ले जाने का प्रोग्राम कैंसल कर दिया है। अगले हफ्ते से अलग-अलग स्कूलों के बच्चों को पिकनिक पर ले जाने का प्रोग्राम बना हुआ था। ईस्ट एमसीडी के संवेदनशील इलाकों में स्थित स्कूलों में दूर दराज से आने वाले टीचर्स की संख्या भी काफी कम हो गई है। पैरंट्स असमंजस में हैं कि शुक्रवार को बच्चों को स्कूल भेजे या नहीं? स्कूल इंचार्ज और स्कूल इंस्पेक्टर्स ने अपने सीनियर अधिकारियों से पूछा कि शुक्रवार को बच्चों को स्कूल बुलाया जाए या छुट्टी घोषित कर दी जाए, सीनियर

अधिकारियों ने कोई स्पष्ट जवाब देने की बजाय उन्हें अपने विवेक से फैसला लेने के लिए कहा।

गुरुवार को एक मैसेज बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। मैसेज में इस बात की आशंका जताई गई है कि शुक्रवार को दोपहर बाद फिर दिल्ली सहित देशभर में भारी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरेंगे। वैसे तो यह कहा जा रहा है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा, लेकिन यह शांति कब तक कायम रहती है। इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मंगलवार को सीलमपुर इलाके में हुए विरोध प्रदर्शन को भी शांतिपूर्ण करने की बात कहकर पुलिस से प्रदर्शन की इजाजत मांगी थी। शांतिपूर्ण प्रदर्शन को देखते हुए ही पुलिस ने मौके पर बहुत कम पुलिस फोर्स लगाई थी। कुछ देर बाद जब प्रदर्शनकारी उग्र हुए तो स्थिति पूरी तरह से पुलिस के काबू से बाहर हो गई। बाद में मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। इसके बाद भी कई बार प्रदर्शनकारी पुलिस पर भारी पड़े।

ईस्ट एमसीडी एजुकेशन विभाग के सीनियर अधिकारी ने बताया कि 367 स्कूलों में पौने दो लाख के करीब बच्चे पढ़ते हैं।

Scanned with CamScanner

The Hindu (Delhi)

Students, locals walk for kms over restrictions

Red Fort remained off limits for protesters and tourists

HEMANI BHANDARI
NEW DELHI

As Delhi Police barricaded the area around Red Fort, students of nearby schools, tourists, locals and shopkeepers faced issues due to blocked roads.

Munza, a Class XII student of a convent school near Red Fort, walked past the monument holding her younger sister's hand with their mother walking ahead. "When I went to school in the morning, it was all okay. I had taken a rickshaw. But later in school, we were informed about the protest and our parents were called to take us home. No student was allowed without parents," she said, adding that she had to now walk nearly 2 km carrying a heavy bag.

Another worried mother who identified herself as Shikha Jain was on her way to work when she realised that roads were blocked and her two sons aged five and seven studying in two private schools nearby won't be able to come back home in their usual rickshaw. "They should have given an alternative route. Now, I will have to miss half day's work to make sure my children reach home safe," she said.

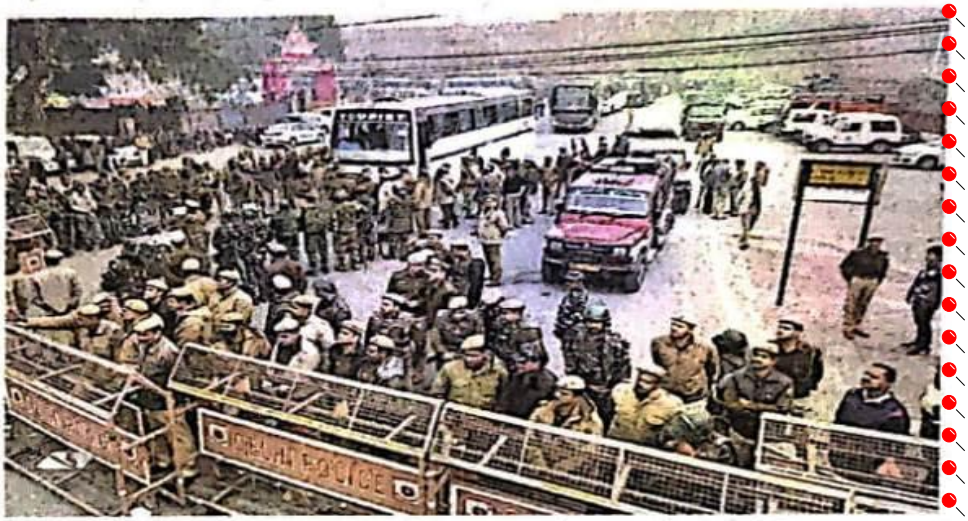

Security personnel barricading a road near the Red Fort on Thursday. ▪ SANDEEP SAXENA

Daleep Kumar was on his way to school to bring his son when he was stopped by the police who asked him to show his son's school identity card. He reasoned with them that the identity card is with his son but the official didn't let him go for nearly 20 minutes till he managed to convince him.

Senior citizens - Anoop Kumar (73) and Satish Bhatiya (64) - who run a shop in Chandni Chowk and had their vehicles parked at Shanti Van were also stopped and asked to take a longer route but were later allowed after the situation started to get tense.

Several tourists, including foreigners, also left disappointed as the entry to Red Fort was closed for the day.

Shops in the adjoining Chandni Chowk area mostly remained open and business remained marginally affected. "People who had come for shopping are being troubled because of the blockade. But it hasn't affected business," said Rehman Malik, who runs a speakers' shop.

Times of India (Delhi)

Dainik Jagran ,Meerut (U.P)

दौरा

आरएएफ 108 बटालियन के रेपो में भीड़ नियंत्रण प्रबंधन पर दिया जा रहा प्रशिक्षण

म्यांमार के अफसरों ने सीखे दंगा नियंत्रण के गुर

जागरण संवाददाता, मेरठ : भीड़ नियंत्रण प्रबंधन पर प्रशिक्षण लेने म्यांमार से मेरठ आए सात वरिष्ठ पुलिस अफसरों को तीसरे दिन गुरुवार को आरएएफ के अधिकारियों ने भारत में हिंसा पर काबू पाने के लिए प्रयुक्त होने वाले गैर घातक गोला-बारूद के बारे में जानकारी दी। अभी हाल ही में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर दिल्ली के सीलमपुर में हुई हिंसा को नियंत्रित करने के लिए उपयोग में लगाए गए हथियारों के बारे में बताया। जिनके उपयोग से बिना किसी नुकसान के भीड़ पर काबू पाया गया। आरएएफ के द्वारा रोचक ढंग से दी जा रही जानकारी पर अधिकारी रुचि लेकर सीख रहे हैं।

रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की शहर में स्थित 108 बटालियन परिसर में संचालित आरएएफ एकेडमी फॉर पब्लिक ऑर्डर इंस्टीट्यूट (रेपो) में भीड़ नियंत्रण प्रबंधन को लेकर शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में म्यांमार के सात पुलिस अधिकारियों को 24 दिसंबर तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों को दंगा नियंत्रण की सभी रणनीति और तकनीकों को बताया जाएगा। गुरुवार को प्रशिक्षण कार्य के तीसरे दिन आरएएफ की डिप्टी कमाण्डेंट शिल्पा कुमार ने म्यांमार में ऐतिहासिक परिपेक्ष्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अफसरों से म्यांमार में सांप्रदायिक हिंसा और जातीय समस्या को लेकर चर्चा की। वहीं, कानून के जानकार डा. वैभव गोयल ने कानूनी पहलुओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद गौरव कुमार सहायक कमाण्डेंट ने गैर घातक हथियारों पर विस्तृत जानकारी दी। जिसमें उन्होंने भीड़ को बिना नुकसान पहुंचाए, लेकिन प्रभावी असर डालने वाले हथियार से परिचय कराया। इसमें टियर स्मोक शैल (अश्रु गोला), शार्ट रेंज शैल, लॉग रेंज शैल, स्टन शैल चलाने और उसके प्रभाव बताए। साथ ही घातक हथियारों की भी जानकारी दी। जिसमें उन्होंने ग्रेनेड, इलेक्ट्रिक शैल और ड्यूल शैल आदि हथियारों और उन्हें चलाने की प्रक्रिया बताई। आरएएफ की असिस्टेंट कमाण्डेंट सोनिया ने बताया कि प्रशिक्षण के अगले सत्रों में अफसरों को हथियारों से अभ्यास भी कराया जाएगा।

नॉन लीथल शस्त्रों का प्रयोग करना सिखाते आरएएफ अफसर • सौ-108 आरएएफ बटालियन

Amar Ujala ,Meerut (UP)

दंगाइयों पर भारी पड़ेगी एफएन 303

आरएएफ को मिला बेल्जियम का अत्याधुनिक हथियार, गोली का दंगाइयों पर रहेगा 48 घंटे तक असर

मनु चौधरी

मेरठ। आने वाले समय में देश में दंगाइयों पर बेल्जियम की एफएन 303 लैस लेथल लांचर राइट गन भारी पड़ेगी। रैपिड एक्शन फोर्स को बेल्जियम की यह खास गन मिल चुकी है। बृहस्पतिवार को रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) में आरएएफ के अधिकारियों ने इस अत्याधुनिक हथियार से म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। देश में कहीं भी दंगे में इसका अभी तक प्रयोग नहीं हुआ है। जल्द ही इसकी बड़ी खेप आरएएफ के पास आने वाली है। इस गन से निकलने वाली बुलेट दंगाइयों को चोट पहुंचाने के साथ 48 घंटे तक का दर्द भी देगी।

रैपो में म्यांमार के सात पुलिस अधिकारी दंगा नियंत्रण प्रबंधन पर प्रशिक्षण ले रहे हैं। आरएएफ के असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार ने बताया कि एफएन-303 लेस लेथल लांचर गन अभी तक ईराक, अफगानिस्तान व लीबिया में इस्तेमाल की गई है। वहां इसका दंगे जैसे स्थिति में प्रयोग सफल रहा है। इसकी मैगजीन में एक बार में 15 बुलेट भरी जा सकेंगी। यह ऑटोमैटिक गन है। इसमें दंगों की स्थिति देखकर इसमें बुलेट का प्रयोग किया जाएगा। ट्रेनिंग में प्रशिक्षण के लिए सफेद, दंगों और हिंसा की स्थिति में येलो और हल्की चोट के लिए गुलाबी रंग की बुलेट का प्रयोग किया जाएगा। इसका वजन 2.3 किग्रा और 70 मीटर तक मार करेगी। यह गोली दंगाइयों को ऐसा दर्द देगी कि वह भागने के लिए मजबूर हो जाएंगे। गोली लगने के बाद इसका रंग 48 घंटे तक नहीं छूट सकेगा।

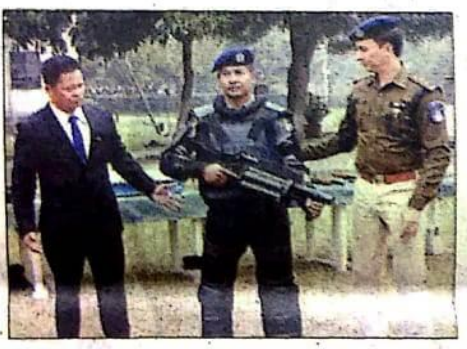

रैपो में म्यांमार के पुलिस ऑफिसर को प्रशिक्षण देते आरएएफ के असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार।

इन गोलों से भागेगी भीड़

दंगाइयों को भगाने के लिए आरएएफ को अलग-अलग तरह के गोले भी मिले हैं। इनका प्रशिक्षण में रैपो में प्रयोग किया जा रहा है। इनमें 130 मीटर रेंज और 60 मीटर रेंज के लिए नए गोले मिले हैं। यह गोला विशेष गन से ही छोड़ा जा सकेगा। छोड़े जाने के बाद गोला तीन टुकड़ों में बंट जाएगा। इसकी आवाज इतनी भयानक होगी कि भीड़ आरएएफ के सामने नहीं टिक सकेगी और वापस लौटना पड़ेगा। इसमें दस प्रकार के गोले प्रयोग किए जाएंगे। आंसू गैस और मिर्ची गोलों में भी अलग प्रकार के हैं।

इनसे दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के तीसरे दिन असिस्टेंट कमांडेंट पवन अखोजी, डिप्टी कमांडेंट शिल्पा कुमार ने गैर घातक हथियार जिनमें स्पेशल गन, एंटी राइट गन, टोवर स्मोक शैल, शार्ट, रेंज सेल, लॉग रेंज सेल, स्टन सेल, वुड प्रेसिंग सेल, डाई मार्कर, ग्रेनेड, स्टन ग्रेनेड, सिंगलवे ग्रेनेड का प्रशिक्षण दिया। सुभारती के प्रोफेसर डॉ. वैभव गोयल ने भी लॉ पर लेक्चर दिया।

महिलाओं की भीड़ पर कम चोट वाली बुलेट का प्रयोग किया जाएगा।

Hindustan Meerut (UP)

आरएएफ में भीड़ नियंत्रण पर चल रहा इंटरनेशनल कोर्स, कई ऐसे हथियार दिखाए जो 360 डिग्री कोण पर करते हैं फायरिंग

म्यांमार पुलिस ने दंगा नियंत्रण को चलाए अत्याधुनिक हथियार

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

म्यांमार से आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भारतीय पुलिस के कई ऐसे हथियारों की खूबियां जानी हैं, जिनसे दंगाइयों पर काबू पाया जा सकता है। कई ऐसे हथियार हैं जो 360 डिग्री पर बस्ट फायरिंग करते हैं। इनकी खासियत यह भी है कि फायरिंग में कोई मौत नहीं होती। म्यांमार पुलिस के लिए ये हथियार कारगर साबित हो सकते हैं।

रैपिड एक्शन फोर्स की मेरठ स्थित 108 बटालियन परिसर में स्थापित आरएएफ एकेडमी फॉर पब्लिक आर्डर इंस्टीट्यूट (रेपो) में 'क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट' पर शुरू हुए इंटरनेशनल कोर्स में म्यांमार के सात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आए हुए हैं। इसके तीसरे दिन गुरुवार को आरएएफ के सहायक कमांडेंट गौरव कुमार ने म्यांमार पुलिस के अधिकारियों को गैर घातक हथियारों की जानकारी दी।

गैस गन, एंटीराइट गन, उससे फायर होने वाले एम्युनेशन टीयर स्मोक सेल, शॉर्ट-लांग रेंज सेल, स्टन शेल, वुड प्रेसिंग शेल, डाई मार्कर ग्रेनेड, स्टन ग्रेनेड, थ्रीवे ग्रेनेड आदि का प्रशिक्षण दिया। मल्टी बैरल लांचर की खासियत यह है कि इससे एक बार में भीड़ के ऊपर छह सेल्स फेंकी जा सकती हैं। कुछ हथियार ऐसे भी दिखाए जो 360 डिग्री कोण पर फायर करते हैं। उप कमांडेंट शिल्पा कुमार ने म्यांमार में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य सभ्यता पर अपने विचार साझा किए। सहायक कमांडेंट सोनिया ने देश की आजादी के बाद से भारत में हुए दंगे-फसाद प्रोजेक्टर पर दिखाए। साल-1992 के बाद से आरएएफ की इन दंगों को काबू करने में क्या भूमिका रही, इससे म्यांमार अफसरों को रूबरू कराया गया।

आगजनी काबू करने के आज देंगे टिप्स

आरएएफ की असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया ने बताया कि शुक्रवार को म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को दिखाया जाएगा कि आगजनी के दौरान कैसे माहौल को काबू में किया जाता है। इसके लिए आरएएफ का इंडियन ऑयल से करार हुआ है। आरएएफ कैंपस में किसी निर्धारित स्थान पर आग जलाई जाएगी।

सुभारती विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. वैभव गोयल ने बतौर गेस्ट लेक्चरर कानून संबंधित पहलुओं को विदेशी अफसरों से साझा किया।

Daily Thanthi Coimbatore (TN)

முஸ்லிம் அமைப்புகள் சார்பில் போராட்டம்:

கோவையில் பலத்த போலீஸ் பாதுகாப்பு

துப்பாக்கி ஏந்திய அதிவிரைவுப்படையினரும் குவிப்பு

கோவை,டிச.21-

முஸ்லிம் அமைப்புகள் சார்பில் போராட்டம் நடந்ததால் கோவையில் பலத்த பாதுகாப்பு போடப்பட்டு இருந்தது. துப்பாக்கி ஏந்திய அதிவிரைவு படையினரும்குவிக்கப்பட்டனர்.

கோவை உக்கடம் ஆத்துப்பாலத்தில் அதிவிரைவுப்படை போலீசார் ரோந்து சென்றபோது எடுத்த படம்.

போலீசார்குவிப்பு

மத்திய அரசு கொண்டு வந்துஉள்ள குடியுரிமைதிருத்த சட்டத்துக்குஎதிர்ப்பு தெரிவித்து நேற்று கோவையில் முஸ்லிம் அமைப்புகள் சார்பில் கடையடைப்பு,கருப்புகொடிஏந்தி போராட்டம்நடந்தது. இதனால்அசம்பாவித சம்பவங்கள்ஏற்படுவதை தடுக்கபாதுகாப்புஏற்பாடுகள் பலப்படுத்தப்பட்டன.

மாநகர போலீஸ்கமிஷனர்சுமித்சரண் தலைமையில் ஏராளமானபோலீசார்குவிக்கப்பட்டுஇருந்தனர். பொதுமக்கள்அதிகமாககூடும்இடங்களில் துப்பாக்கி ஏந்தியஅதிவிரைவுப்படைபோலீசாரும்பாதுகாப்பு பணியில்ஈடுபட்டனர். குறிப்பாகஉக்கடம்பஸ்நிலையத்தில்ஏராளமானபோலீசார்குவிக்கப்பட்டுஇருந்தனர்.

கூடுதல்டி.ஜி.பி.

உக்கடம்பஸ்நிலையம்உள்பட முக்கிய இடங்களில்வஜ்ராவாகனங்கள் நிறுத்தப்பட்டு அதில்உள்ள கண்காணிப்புகேமராக் அறையில்இருந்தபடி கண்காணிக்கப்பட்டது. அதுபோன்றுதமிழக கூடுதல்டி.ஜி.பி.ஜெயந்த்முரளிகோவை வந்து பாதுகாப்பு ஏற்பாடுகளை முடுக்கி விட்டார். அத்துடன் அவர்உக்கடம்,ஆத்துப்பாலம்,கோட்டைமேடுபகுதிகளுக்கு சென்றுபாதுகாப்புஏற்பாடுகளை பார்வையிட்டார்.

குறிப்பாக பொதுமக்கள் அதிகமாக கூடும்இடங்களில்துப்பாக்கிஏந்தியபோலீசார்குவிக்கப்பட்டனர். அத் தீவிரரோந்து பணியில்ஈடுபட்டு கண்காணித்தனர். அதுபோன்றுஉக்கடம்,ஆத்துப்பாலம்,குனியமுத்தூர்,போத்தனூர்பகுதியில் கூடுதல்போலீசார்பாதுகாப்பு பணியில்ஈடுபட்டனர்.

வாகன சோதனை

அதுபோன்றுவெளியூர்களை சேர்ந்தமர்ம நபர்கள் கோவைமாநகர பகுதிக்குள்நுழைவதை தடுக்கசோதனைச்சாவடிகளில்தீவிரவாகன சோதனை பாக கார்கள்,வேன்கள்சோதனை செய்த பின்னரேமாநகர பகுதிக்குள்அனுமதிக்கப்பட்டன. இதற்காக அங்கு துப்பாக்கி ஏந்தியபோலீசாரும்பாதுகாப்புக்காகநிறுத்தப்பட்டுஇருந்தனர்.

இதுதவிரமொபைல்போலீசாரும்வாகனங்கள்,மோட்டார் சைக்கிள்கள்மூலம் தீவிரரோந்து பணியில்ஈடுபட்டு கண்காணித்தனர்.அதிவிரைவு படைபோலீசார்துப்

Deployed at Coimbatore city TN on 20/12/19 for Law and order duty

Daily Thanthi Coimbatore (TN)

குனியமுத்தூர்–பாலக்காடு ரோட்டில் துப்பாக்கி ஏந்திய அதிவிரைவுப் படைபோலீசார் பாதுகாப்பு பணியில் ஈடுபட்ட காட்சி.

Deployed at Coimbatore city TN on 20/12/19 for Law and order duty

Daily Thanthi Coimbatore (TN)

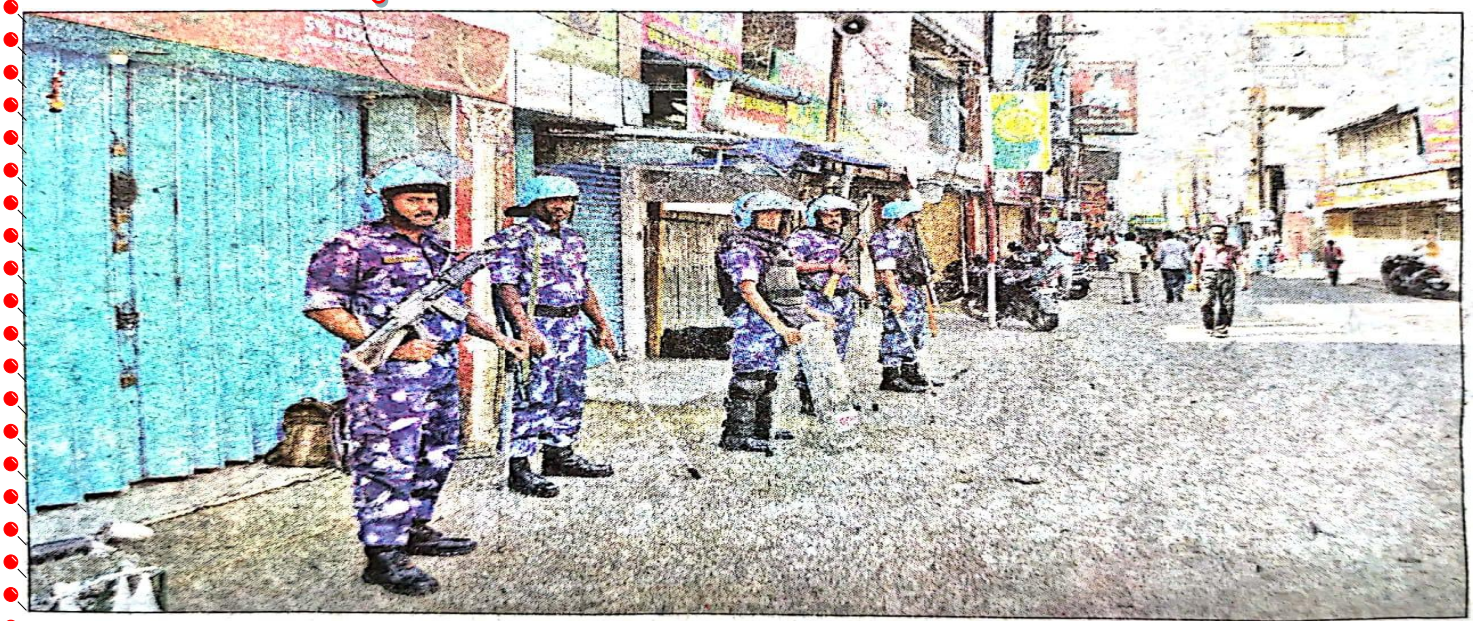

பெரியக்கடைவீதியில் அடைக்கப்பட்ட கடைகள் முன்பு துப்பாக்கி ஏந்திய அதிவிரைவுப் படை போலீசார் பாதுகாப்பு பணியில்ஈடுபட்ட காட்சி.

Deployed at Coimbatore city TN on 20/12/19 for Law and order duty

Rastriye Sahara (UP)

Rastriy Sahara (Delhi)

कोयम्बटूर में शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा में तैनात रैपिड एक्शन फोर्स के गार्ड्स।

NavBharat Times (Delhi)

गुरुवार को हुई हिंसा के बाद शुक्रवार को अहमदाबाद में अलर्ट

Times Of India (Delhi)

Dinakaran Coimbatore (TN)

கூடுதல் டி.ஜி.பி. தலைமையில் போலீசார் குவிப்பு

கோவை,டிச.21: குடியுரிமை சட்ட திருத்தமசோதாவை கண்டித்து கோவையில் இஸ்லாமிய அமைப்புகள் மற்றும் கட்சிகள் சார்பில் கடையடைப்பு மற்றும் கருப்புக்கொடி போராட்டம் நடந்தது.

இந்திய குடியுரிமை சட்ட திருத்த மசோதாவை கண்டித்து, கோவைமாவட்டசுன்னத் ஜமாத் கொள்கை கூட்டமைப்பு, இந்திய யூனியன் முஸ்லிம் லீக், சோசியல் டெமாக்ரடிக் பார்ட்டி ஆப் இந்தியா, மனிதநேய ஜனநாயக கட்சி, ஜமா அத்தே இஸ்லாமி ஹிந்த், வெல்பேர் பார்ட்டி ஆப் இந்தியா, ஏகத்துவ முஸ்லிம் ஜமாஅத், கோவை மாவட்ட ஜமா அத்துல் உலமா சபை, தமிழ்நாடு முஸ்லிம் முன்னேற்ற கழகம், பாப்புலர் ப்ரண்ட் ஆப் இந்தியா, மனிதநேய மக்கள் கட்சி, ஜம்மியத்துல் அஹ்லில் குர்ஆன் வல் ஹதிஸ், இந்திய தவ்ஹீத் ஜமாத், வஹ்தத்தே இஸ்லாமி ஹிந்த் ஆகிய அமைப்புகள் மற்றும் கட்சிகள் சார்பில் நேற்று இஸ்லாமியர்களின் வீடுகளில் கருப்புக்கொடி ஏற்றி, கடையடைப்புபோராட்டம் நடத்தப்படுவதாக அறிவிக்கப்பட்டது.

அதன்படி கோவையில் இஸ்லாமியர்கள் அதிகம் வசிக்கும் பகுதிகளான கோட்டைமேடு, உக்கடம், என்.எச்.ரோடு மரக்கடை, ஆத்துபாலம், கரும்புக்கடை, குனியமுத்தூர், போத்தனூர், சாரமேடு உள்ளிட்ட பகுதிகளில் கடைகள் அடைக்கப்பட்டிருந்தன. இஸ்லாமியர்களின் வீடுகள், கடைகளில் கருப்புக்கொடி ஏற்றப்பட்டது. மாநகரின் மற்ற பகுதிகளில் வழக்கம் போல் கடைகள் திறக்கப்பட்டு இயல்பு நிலை காணப்பட்டது.

கடையடைப்பு மற்றும் கருப்புக்கொடி போராட்டம் காரணமாக கோவை ஆத்துப்பாலத்திலும், உக்கடம் பஸ் நிலையத்திலும் அதிரடிப்படை பாதுகாப்பு போடப்பட்டிருந்தது.

இஸ்லாமிய அமைப்புகளின் கடையடைப்பு போராட்டத்தையொட்டி அசம்பாவிதங்களை தடுக்க சட்டம் ஒழுங்கு கூடுதல் டி.ஜி.பி ஜெய்ந்த் முரளி கோவையில் முகாமிட்டு பாதுகாப்பு பணிகளை கவனித்தார்.

கோவை மாநகர போலீஸ் கமிஷனர் சுமித்சரண் தலைமையில் துணை கமிஷனர்கள் பாலாஜி சரவணன், உமா, முத்தரசு, செல்வகுமார் ஆகியோர் மேற்பார்வையில் 1,500 போலீசார் மற்றும் மத்திய அதிரடிப்படையினர் (ஆர்.ஏ.எப்.) 200 பேர், சிறப்பு காவல் படையினர் 150 பேர் பாதுகாப்பு பணியில் ஈடுபட்டிருந்தனர்.

மேட்டுப்பாளையம்: குடியுரிமை சட்ட திருத்த மசோதாவை கண்டித்து மேட்டுப்பாளையத்தில் அனைத்து இஸ்லாமிய அமைப்புகள் சார்பில் நேற்று ஆர்ப்பாட்டம் நடந்தது.

அண்மையில் மத்திய அரசு கொண்டு வந்துள்ள குடியுரிமை சட்ட மசோதாவால் சிறுபான்மையின மக்கள் பாதிக்கப்படுவார்கள், எனவே மசோதாவை திரும்ப பெற வலியுறுத்தி ஐக்கிய ஜமாத் பேரவை, மேட்டுப்பாளையம் வட்டார ஜாமத் உலமா சபை சார்பில் மேட்டுப்பாளையத்தில் நேற்று கண்டன ஆர்ப்பாட்டம் நடந்தது. மேட்டுப்பாளையம் பஸ் நிலையம் மற்றும் அனைத்து பள்ளி வாசல் உலாமாக்கள் முன்னிலையில் நடந்த ஆர்ப்பாட்டத்தில் சுமார் 2 ஆயிரத்திற்கும் மேற்பட்டோர் கலந்துகொண்டனர்.

ஆர்ப்பாட்டத்தில் சிறுபான்மை நலனை பாதிக்கும் வகையில் தற்போது கொண்டு வந்துள்ள குடியுரிமை சட்ட மசோதை எதிர்த்து நாடு முழுவதும் போராட்டங்கள் நடந்து வருகிறது.

திருத்தப்பட்ட குடியுரிமை மசோதா காரணமாக நாட்டில் உள்ள இஸ்லாமியர்கள், இலங்கை தமிழர்கள் அச்சத்துடன் வசிக்கும் நிலை உள்ளது. எனவே மத்திய அரசு சட்ட மசோதவை திரும்பபெற வேண்டும் என ஆர்ப்பாட்டத்தில் வலியுறுத்தினர்.

105 BN RAF DEPLOYED AT UKKADAM BUS TERMINUS IN CITY COIMBATORE (TN)

THE HINDU Coimbatore (TN)

Anti-CAA stir: shops shut, police deployed

No untoward incidents reported

STAFF REPORTER

COIMBATORE.

As part of the protests against the Citizenship (Amendment) Act, shops were shut in a few parts of the city on Friday and nearly 2,500 police personnel were deployed to monitor the situation here.

Nearly 60 % of the shops in areas including Ukkadam, Karumbukkadai, Kuniamuthur and Aathupalam were shut in response to the hartal call by Muslim outfits, the police said. Black flags were displayed outside the houses and shops in these areas as a sign of protest. However, no untoward incidents were reported in the areas and normal life was not hit due to the protests, the police said.

One company (240 personnel) of the Rapid Action Force, officers from Tamil Nadu Special Police and police personnel from other districts from the West Zone were deployed in the city. The West Zone police personnel comprised one Deputy Superintendent of Police, three Inspectors, nine Sub-Inspectors and 108 police constables.

Additional Director-General of Police K. Jayanth Murali headed the whole team of police personnel deployed in the city, the police said.

Rapid Action Force personnel deployed at Ukkadam Bus Terminus in the city on Friday as part of security measures for the anti-CAA stirs. • M. PERIASAMY

On Thursday, the city police warned of strict legal action against illegal bandhs, rail or road rokos, gathering in public places without prior permission, closing of schools or colleges and staging blockades in front of government offices.

Scanned with CamScanner

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

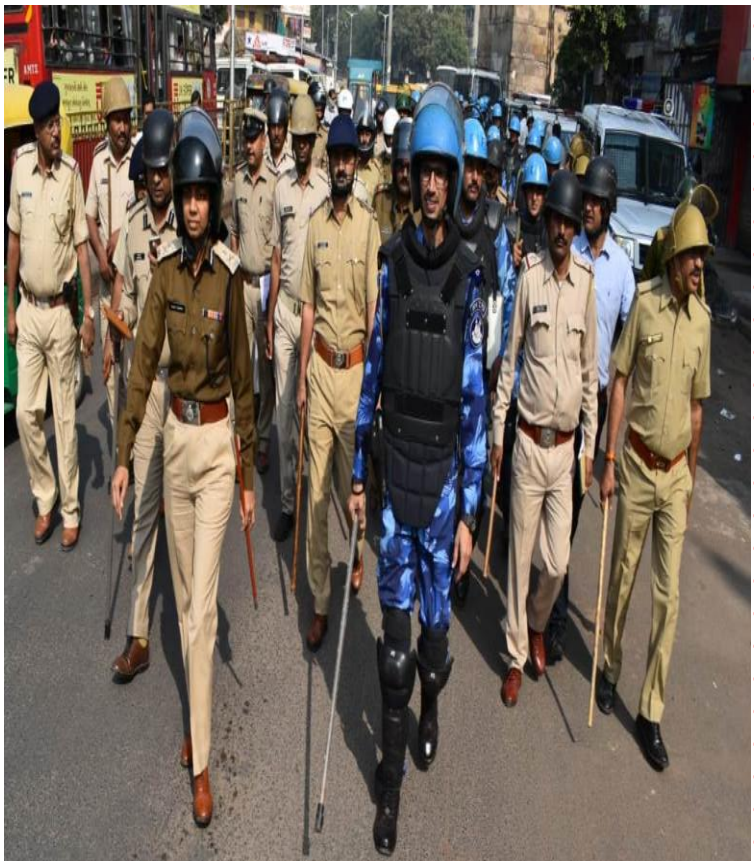

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।